







## मरीज को कैसे डेंगू बीमारी से लड़ने के लिए तैयार किया जाए.

**क्या इतनी घातक बीमारी की कोई दवा भी है, जो इसे ठीक करे?**  
नहीं, सावधानी के अलावा इस घातक बीमारी की कोई दवा नहीं है।  
जानकारी ही इसका बचाव है।

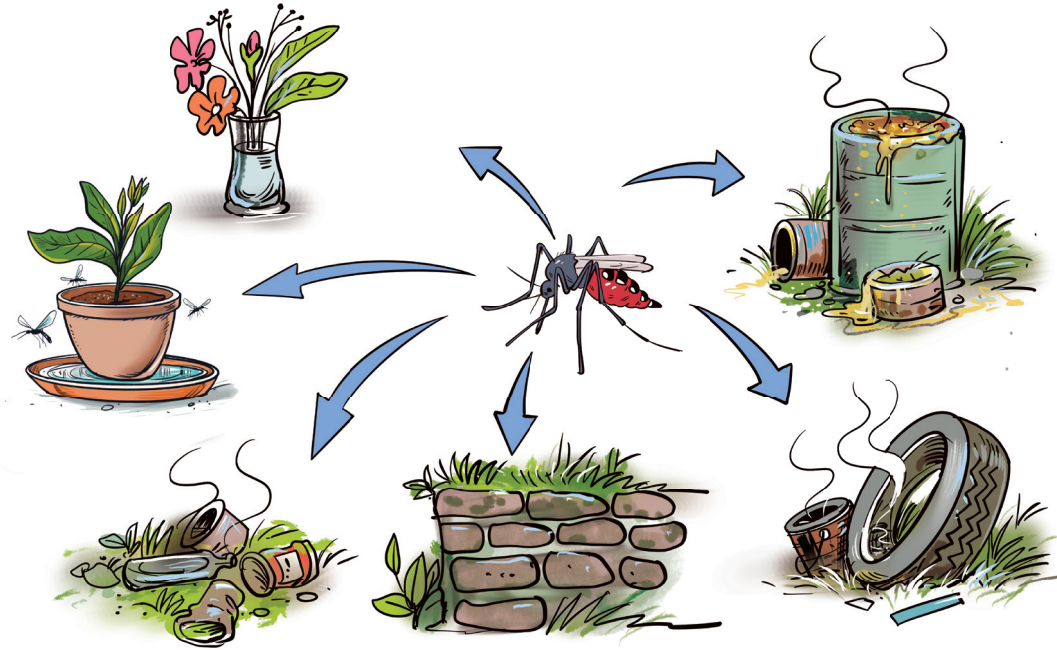


आप घर में या आस पास एडीज के मच्छर को न पनपने दें, यही इस बीमारी से आपको बचा कर रखती है।



डॉक्टरी जांच के बाद अगर आपको डेंगू होने की पुष्टि हो जाने पर अपना सही रख रखाव रखें। इस बीमारी पर काबू पाने में आसानी होती है।

आप घर में या आस पास एडीज  
के मच्छर को न पनपने दें,



डॉक्टरी जांच के बाद अगर आपको  
डेंगू होने की पुष्टि हो जाने पर  
अपना सही रख रखाव रखें।



## डेंगू हो जाने पर घबराहट जैसी स्थिति पर कैसे काबू पाया जा सकता है?



यदि आपको या आपके घर में किसी को डेंगू होता है, तो हिम्मत से काम लेते हुए खुद को इसके लिए तैयार करना है।

डेंगू का बुखार एक तरह से रोगसूचक होता है, जिसको उसी वक्त सही परामर्श और डॉक्टरी सलाह के बाद काबू में पाया जा सकता है।

ऐसे में खुद को इससे लड़ने के लिए तैयार करना और सकारात्मक सोच रखना जरूरी है।



## डेंगू हो जाने पर घबराहट जैसी स्थिति पर कैसे काबू पाया जा सकता है?



यदि आपको या आपके घर में किसी को डेंगू होता है, तो हिम्मत से काम ले।



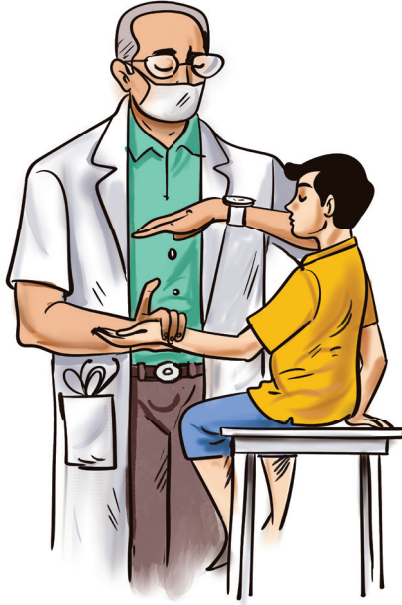
डेंगू का बुखार एक तरह से रोगसूचक होता है, डॉक्टरी सलाह ले।

सकारात्मक सोच रखना जरूरी है।



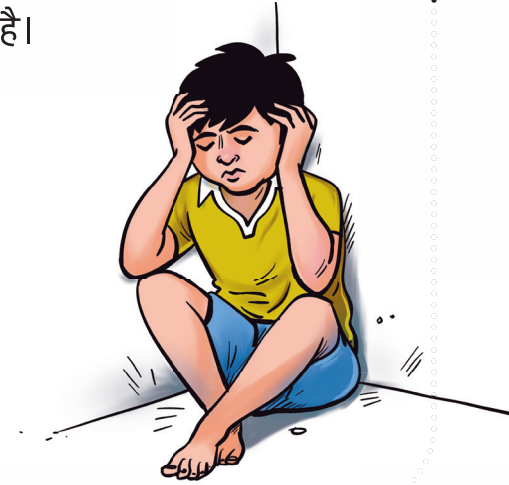
## डेंगू शॉक सिंड्रोम क्या होता है, क्या इससे भी घबराने की जरूरत है?

ये भी डेंगू का एक खतरनाक प्रकार है, जिसमें मरीज  
सदमे की हालत में होता है।



डेंगू शॉक सिंड्रोम के तहत शरीर में प्लाज्मा की  
संख्या घटने लगती है।  
इसमें तंत्रिका तंत्र बुरी तरह प्रभावित होता है  
और मरीज सदमे की हालत में होता है।  
इससे शरीर की नब्ज भी धीमे चलने लगती है।

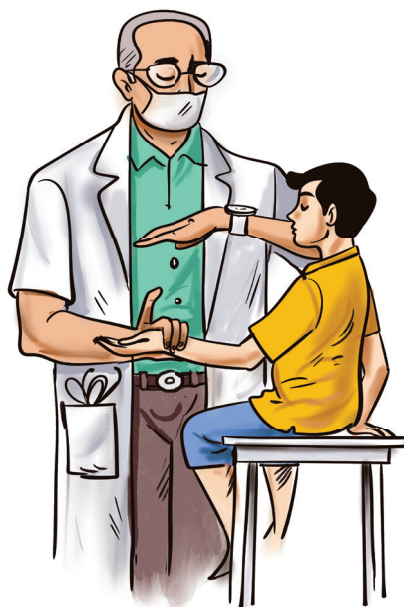
इसलिए डेंगू के शुरुआती लक्षण में ही इसकी  
जांच जरूरी है, जिससे कि जल्द से जल्द  
स्वस्थ हुआ जा सके।





## डेंगू शॉक सिंड्रोम क्या होता है, क्या इससे भी घबराने की जरूरत है?

ये भी डेंगू का एक खतरनाक प्रकार है, जिसमें मरीज  
सदमे की हालत में होता है।



शरीर में प्लाज्मा की संख्या घटने लगती है।

शरीर की नब्ज भी धीमे चलने लगती है।

डेंगू के शुरुआती लक्षण में ही  
इसकी जांच जरूरी है,



सार

इन पर चर्चा करें

- डेंगू किस तरह की बीमारी है ?
- डेंगू के क्या लक्षण होते हैं?
- डेंगू से कैसे बचाव करें?

महत्वपूर्ण संदेश

- डेंगू वायरस से जुड़ी घातक बीमारी है, जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से शरीर में पहुंचती है। डेंगू हेमरेजिक (रक्तस्रावी) बुखार से मृत्यु भी हो सकती है।
- तेज बुखार, सिर दर्द, जोड़ों- मांसपेशियों में दर्द, भूख न लगना, जीभ का स्वाद गायब हो जाना, उल्टी आना छाती और त्वचा पर चकत्ते पड़ना डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।
- एडीज मच्छर को पनपने से रोकने के लिए साफ पानी को रुकने से बचाएं, कूलर, ड्रम, कलश, मर्तबान, घड़ा, बाल्टि, फूलदान, गमला, टंकी और जलकुंड में पानी न भरने दें। दिन के समय मच्छर नाशक स्प्रे करवाएं, टांग और बांह को ढके रहें ऐसे कपड़े पहने।

अगर आपके घर में किसी को बुखार है तो

- बुखार होने पर खून की जांच करवाएं।
- डेंगू पीड़ित होने पर ज्यादा से ज्यादा आराम करें।
- डॉक्टर के अनुसार ही दवा लें।
- गीले कपड़े या स्पॉन्ज को मरीज के तपते शरीर पर रखें ताकि तापमान नियंत्रित किया जा सके।





<b>+</b> WUNDERMAN THOMPSON	<b>Client:</b> Family Health India <b>Brand:</b> FHI India	<b>File Name:</b> A4 FHI Dengue Flip Book Topic 3 <b>Folder Name:</b> 2023-1228 Family Health India POS AW	<b>Artwork :</b> A4 <b>Artwork Size:</b> 29.7x21cm
	<b>Job No.:</b> 2023-1228 <b>Date:</b> 26-06-2023	<b>Publication:</b> <b>Press - Mag - Other Job:</b>	<b>Operator:</b> Jagdish <b>Mac Name:</b> Jagdish